0Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.

In news In January 2019

...skar.com दैनिक भास्कर, हिसार बुधवार 02 जनवरी, 2019 02

...ू में 2019

..., टीचिंग-नॉन टीचिंग ...टूडेंट्स हुए शामिल

मेलजोल वाली, एक चाय की प्याली

...धा कप पानी और आधा दूध। थोड़ी सी पत्ती और मीठा स्वादानुसार। ...की महफिल में यह चाय की चुस्की दिल के तहखाने से जाने ही कितने ...ती है। ऐसे ही अनगिनत किस्से खुले जीजेयू के हरियाणा कॉलेज ऑफ बिजनेस के कैंपस में। इसमें नये साल की शुरुआत, गुनगुनी धूप और गर्मागर्म चाय पर होती है जीजेयू के फैकल्टी की मुलाकात। जो सालभर के लिए एक दूसरे में एनर्जेटिक वाइब्स भरती नजर आती है। कहीं हंसी के ठहाके उठे तो कहीं किस्सागोई...। इस महफिल में वीसी से अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी शामिल रहे जो सालभर साथ होने पर भी एक दूसरे के लिए समय नहीं निकाल पाते। मगर नई साल की पहली सुबह पर यह चाय सभी को एक करती नजर आई।

...त का माहौल बनाती है यह चाय - वीसी

...मार ने कहा कि यह केवल चाय नहीं है। सबके साथ इंट्रैक्शन का एक ...खुशनुमा सुबह की शुरुआत के साथ साल की शुरुआत भी यादगार ...ा माहौल बनाती है ताकि साल की शुरुआत एनर्जेटिक रहे। एच-इंडेक्स ..., जो उत्तर विश्वविद्यालयों में सर्वश्रेष्ठ है। बीते वर्ष विश्वविद्यालय को ...अभियान के तहत 70 करोड़ रुपये का अनुदान मिला है।

साल का पहला दिन बना वंडरफुल

प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि साल के पहले दिन की शुरुआत यूनिवर्सिटी के मेंबर्स के साथ होना एक वंडरफुल शुरुआत है। ऐसी गैदरिंग बहुत कुछ नया सीखने का मौका देती है। साथ ही साथ फीडबैक भी मिलता है।

साल भर रहती है चाय की चाह - सुजाता सांघी

सुजाता सांघी ने कहा कि इस चाय का इंतजार मुझे सालभर रहता है। एनर्जी भरती है यह चाय। और शायद कई चिंताओं का भी अंत। मिलजुल काम करना सिखाती है यह साल की शुरुआत की चाय।

रजिस्ट्रार अनिल पुंडीर

चाय के साथ साल की शुरुआत एक पाजिटिविटी लेकर आती है। साल के पहले दिन ही दोस्तों का एक जगह पर मिलना एक उत्सव की तरह है।

जीजेयू के दो विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट

प्रदीप सोगरवाल।

दीक्षित।

हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट के सौजन्य से हुए ऑफ कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के दो विद्यार्थियों का चयन दिल्ली स्थित ध्वनि रूरल इंफोर्मेशन सिस्टम कंपनी में हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया कि ध्वनि रूरल इंफोर्मेशन सिस्टम कंपनी में एमसीए की दीक्षित तथा बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के प्रदीप सोगरवाल का चयन हुआ है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, बीटेक आइटी तथा एमसीए के 2019 बैच के 17 विद्यार्थियों ने भाग लिया। (जासं)

दैनिक जागरण - 02-1-19

गुजवि के छह विद्यार्थियों का ओपो में चयन

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा मल्टीनेशनल कंपनी ओपो मोबाइल गुरुग्राम के साथ ऑन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के छह विद्यार्थियों का चयन हुआ है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी। सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि ड्राइव में एमबीए, बीटेक सीएसई, आइटी, ईसीई व एमई के बैच 2019 के 110 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कंपनी ने लिखित परीक्षा, ग्रुप डिस्कशन व साक्षात्कार के बाद छह विद्यार्थियों का चयन किया। ये विद्यार्थी जून 2019 से कंपनी में मैनेजमेंट ट्रेनी के पद पर ज्वाइन करेंगे। उन्होंने सभी संबंधित विभागाध्यक्षों, हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के निदेशक डा. एनएस मलिक, प्लेसमेंट इंचार्ज प्रो. हरभजन बंसल, प्लेसमेंट एडवाइजर डा. राजीव वासुदेवा, डा. अंजली व डा. साक्षी का आभार जताया। सहायक निदेशक आदित्य वीर सिंह ने बताया कि बीटेक एमई के अंकुश, एमबीए के संदीप सिंह, विकेन्द्र पूनिया, सुमित कुकरेजा, वशिका व वैशाली भाटिया का चयन हुआ है।

गुजवि में ऑन कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव के चयनित विद्यार्थियों के साथ अधिकारी।

250 विद्यार्थियों को किया सम्मानित

संवाद सहयोगी, सिवानीमंडी : जीनिट्स कंप्यूटर सेंटर में वार्षिक उत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। सेंटर के संचालक जेएस सोलंकी ने बताया कि कार्यक्रम में कोर्स पूर्ण कर चुके 250 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि राजेश अग्रवाल थे। इस दौरान छात्रों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस मौके पर मोहित पाहुजा, विजेंद्र, विनोद कुमार, सुमन, पूनम व पृथ्वीराज, मनोज जांगड़ा आदि मौजूद थे।

इंटर्नशिप ड्राइव में जीजेयू के चार विद्यार्थियों का चयन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से विश्वविद्यालय के बीटेक फूड टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों के लिए बीरवार को ऑफ कैंपस इंटर्नशिप ड्राइव का आयोजन किया गया। इस दौरान अंबाला स्थित कंपनी कंधारी ब्रिवेजिज ने विश्वविद्यालय के चार विद्यार्थियों चयन किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि कंपनी ने विद्यार्थियों का चयन तकनीकी साक्षात्कार व एचआर साक्षात्कार के आधार पर किया है।

प्रताप सिंह मलिक ने प्लेसमेंट के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने व प्रोत्साहित करने के लिए फूड टेक्नोलॉजी विभाग की अध्यक्षा प्रो. अलका शर्मा व ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट को-ऑर्डिनेटर सुनील कुमार व डॉ. अनीता का आभार व्यक्त किया है। सहायक निदेशक आदित्य वीर सिंह ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों में बीटेक फूड टेक्नोलॉजी बैच 2019 के आशीष राजपूत, संदीप कुमार, दीपक पराशर व पीयूष मोंगा शामिल हैं।

शिक्षकों व ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के अधिकारियों के साथ चयनित विद्यार्थी।

अमर उजाला - 4/1/19

जीजेयू की रिसर्च: 14 साल तक के 60 बच्चों के ग्रुप में से 30 बच्चों को अच्छा नागरिक बनाने के लिए लेंगे माइंडफुलनेस बेस्ड स्ट्रेस रिडक्शन थैरेपी की मदद

कच्ची उम्र में ही अपराध की दुनिया में कदम रखने वालों को सुधारेगी जीजेयू

ऑब्जर्वर होम के 60 जुवेनाइल की मानसिक स्थिति को जानने के लिए रिसर्च

सुभाष चंद्र | हिसार

कम उम्र में ही अपराध की दुनिया में कदम रखने वाले बच्चों पर जीजेयू रिसर्च कर उन्हें अच्छा नागरिक बनाने का प्रयास करेगी। ऑब्जर्वर होम के 60 बच्चों पर एक साल तक जीजेयू के मनोविज्ञान विभाग के प्रो. संदीप राणा व पीएचडी छात्रा तमसा एक साल तक रिसर्च करेंगी। इसमें बच्चों को अपराध की मानसिकता से हटाकर नकारात्मक संवेदनाएं, गुस्सा, चिंता, तनाव, अवसाद को दूर कर उन्हें बेहतर जीवन जीना सिखाया जाएगा। इसमें मर्डर, रेप, चोरी, डकैती अन्य अपराधों से जुड़े बच्चों को शामिल किया जाएगा।

बच्चों के दो ग्रुप बनाएंगे, हर सप्ताह होगी काउंसिलिंग

रिसर्च में 14 साल तक के 60 बच्चों के ग्रुप में से 30 बच्चों पर माइंडफुलनेस बेस्ड स्ट्रेस रिडक्शन थैरेपी यूज की जाएगी। वहीं 30 अन्य बच्चों को सिर्फ ग्रुप में रखकर उनके व्यवहार, मानसिक स्थिति को जाना जाएगा। थैरेपी पाने वाले व सामान्य बच्चों के ग्रुप की अलग-अलग तुलनात्मक रिपोर्ट बनेगी। प्रो. संदीप राणा ने बताया कि थैरेपी के जरिये बच्चे अपने बारे में जागरूक हो जाते हैं और अच्छा जीवन जीने का प्रयास करते हैं। थैरेपी के लिए चुने गए 30 बच्चों की हर सप्ताह 2 से 3 घंटे तक काउंसलिंग होगी। बच्चे पर थैरेपी के असर को जांचेंगे। वहीं हर चार माह बाद साप्ताहिक काउंसलिंग की मॉनीटरिंग होगी। चार महीनों में बच्चों में क्या बदलाव आए। शुरुआत में पहले बच्चों की प्री-टेस्टिंग होगी, जो प्रश्नावली वं इंटरव्यू आधार पर होगी। उनकी मनोवैज्ञानिक स्थिति, इमोशनल रेगुलेशन को जांचा जाएगा। प्रत्येक चार महीने के बाद इन बातों की स्थिति का पता लगाया जाएगा।

ये बदलाव लाएंगे

- मानसिक स्वास्थ्य में थैरेपी की मदद से व्यवहार में बदलाव लाए।
- सोच, स्वभाव में बदलाव आए।
- बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर कैसे हो।
- समाज में बेहतर तरीके से कैसे रह सकते हैं।
- नकारात्क भावनाएं कैसे दूर कर सकते हैं।
- स्वभाव में सकारात्मक बदलाव लाएंगे, ताकि अपने बारे में अच्छा सोचें।

वाहनों और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के लिए स्पेयर पार्ट्स बनाते वक्त नहीं होगी वेस्टेज

नैनो फ्लूड से प्रोडक्ट के तापमान को 62% कम करके बढ़ा सकते हैं क्वालिटी

भास्कर न्यूज | हिसार

वाहनों और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स में प्रयोग होने वाले स्पेयर पार्ट्स बनाते समय खराब नहीं होंगे। इससे वेस्टेज कम होने से प्रोडक्शन लागत कम और गुणवत्ता भी बढ़ेगी। समय की बचत व मशीनों की लाइफ भी बढ़ेगी। दरअसल, प्रोडक्ट बनाते समय प्रोडक्ट व मशीनों का तापमान सामान्य से काफी अधिक बढ़ जाता है, जिसे कूलेंट से ठंडा किया जाता है। जीजेयू के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनिल और प्रो. पंकज खटक ने दो साल की रिसर्च के बाद नैनो फ्लूड के जरिये प्रोडक्ट के तापमान को कम करने की तकनीक बनाई है। इसमें नैनो फ्लूड के प्रयोग से 190 सेंटीग्रेड तक बढ़े तापमान को 62% तक कम किया जा सकता है। रिसर्च के लिए 50 साइंटिस्टों के रिसर्च पेपर पढ़े गए, फिर यह रिसर्च पूरी हुई। इसे भारत के एक जर्नल में भी प्रकाशित किया गया है।

जानिए... यह है नैनो फ्लूड और इनसे ऐसे कम होगा तापमान

नैनो फ्लूड प्रारंभिक तौर पर एक पाउडर के रूप में होता है। इसे प्रयोग करने के लिए मशीनों द्वारा एक लंबी प्रक्रिया में पानी के साथ मिक्स कर लिक्विड के रूप में बदला जाता है। यह प्रोडक्ट काफी महंगा और वैरायटी में होता है। इसमें सिर्फ 100 ग्राम नैनो पाउडर 30 हजार रुपए से लेकर करीब 3 लाख रुपये तक की कीमत में उपलब्ध है। प्रो. पंकज खटक ने बताया कि सामान्य तापमान में लाने के लिए मशीन में नैनो फ्लूड को स्प्रे के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसे मशीन के कूलिंग टैंक में डाला जाता है। मशीन से प्रोडक्ट की कटिंग के दौरान नैनो फ्लूड स्प्रे के रूप में प्रोडक्ट व मशीन के इंटरनल पार्ट्स पर पड़ता है। इसके प्रभाव से प्रोडक्ट मामूली टेंपरेचर पर आ जाता है। फिलहाल मशीनों को ठंडा करने के लिए पानी या फिर कूलेंट का इस्तेमाल किया जाता है।

ये रहेगी स्थिति

प्रोसेस	मशीन का तापमान	कूलेंट के बाद
बिना कूलिंग	70-190°C	30-95°C
नैनो फ्लूड प्रयोग में		25-65°C

जून 2019 में होने वाली यूजीसी नेट परीक्षा के सिलेबस में बदलाव

डॉ. सुमित सिंह श्योराण, चंडीगढ़ : यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) ने देश भर के कॉलेज और यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर बनने के लिए अनिवार्य योग्यता यूजीसी-नेट (नेशनल एलिजिबिलटी टेस्ट) और जेआरएफ सिलेबस में बदलाव कर दिया गया है। जानकारी अनुसार जून 2019 में होने वाले यूजीसी-नेट परीक्षा नए सिलेबस के हिसाब से आयोजित की जाएगी। यूजीसी ने इस संबंध में नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार यूजीसी ने करीब बीस सालों बाद यूजीसी-नेट सिलेबस को अपडेट किया है। यूजीसी द्वारा हर साल जून और दिसंबर में 101 विषयों में नेट और जेआरएफ (जूनियर रिसर्च फेलो) परीक्षा ली जाती है। बीते 18 से 22 दिसंबर तक यूजीसी-नेट को ऑनलाइन आयोजित किया था। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा 235 शहरों में ऑनलाइन परीक्षा ली गई थी। जिसमें करीब साढ़े नौ लाख स्टूडेंट्स अपीयर हुए थे।

नए पेटर्न के कारण सिलेबस में बदलाव : नेट-जेआरएफ परीक्षा में बीते कुछ सालों में कई बदलाव किए गए। सब्जेक्टिव पेपर को ऑब्जेक्टिव कर दिया गया। दिसंबर 2018 से परीक्षा भी ऑनलाइन कर दी गई। करीब पंद्रह सालों से चंडीगढ़ में यूजीसी नेट की कोचिंग दे रहे आरके मल्होजन ने बताया कि सिलेबस में 20 से 30 फीसद तक बदलाव और कुछ नए टॉपिक को भी शामिल किया गया है। यूजीसी-नेट के तीन पेपर को घटाकर अब दो कर दिया है।

दैनिक जागरण

गुजवि के प्रो. आर बास्कर को मिला सम्मान

आस. हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. आर. बास्कर ने भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन की तरफ से लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय में 3 जनवरी से 7 जनवरी को हुई विज्ञान संचारक सम्मेलन 2019 में एक सत्र की अध्यक्षता की है। +विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने प्रो. आर. बास्कर को इस उपलब्धि पर बधाई दी। प्रो. बास्कर ने विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है। प्रो. आर. बास्कर पृथ्वी प्रणाली विज्ञान में भी एक सत्र की अध्यक्षता कर रहे हैं और उन्हें पृथ्वी प्रणाली विज्ञान के एक प्रमुख क्षेत्र जियो माइक्रोबायोलोजी पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया है। साइंस एंड टेक्नोलॉजी विषय पर प्रतिष्ठित 106वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस का आयोजन लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी जालंधर मे हुआ।

दैनिक जागरण
9/1/19

ऑनलाइन कोर्सों को यूजीसी देगा मान्यता

सिटी रिपोर्टर • विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) अब ऑनलाइन कोर्सों की मान्यता देने जा रहा है। यूजीसी की ओर इस बारे में सर्कुलर जारी किया गया। इसके तहत आगामी सत्र या उसके आगे लिए कोई भी शिक्षण संस्थान ऑनलाइन माध्यम से ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की मान्यता का प्रस्ताव भेज सकता है। यूजीसी ने 7 जनवरी से ऑनलाइन पोर्टल खोला है। इस पर संस्थान अपने आवेदन कर सकेंगे। 31 जनवरी आवेदन की अंतिम तारीख है। ऑनलाइन आवेदन की प्रमाणित हार्ड कॉपी व उससे संबंधित सभी कागजात 8 फरवरी तक दूरस्थ शिक्षा विभाग नई दिल्ली को भेजना है।

EDUCATION Update

दैनिक भास्कर - 9-1-19

गुजवि में होगी नैक की कार्यशाला

हिसार, 11 जनवरी (ब्यूरो): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) को लेकर जागरूकता के लिए महाविद्यालयों के प्रिंसीपल के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करवाएगा। शीघ्र ही कार्यशाला के आयोजन की तिथि घोषित की जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह कार्यशाला राष्ट्रीय स्तर पर और सार्वजनिक क्षेत्र में विश्वविद्यालय की पहचान बनाने में मदद करेगी।

पंजाब केसरी - 12/1/19

पहल • पहले चतुर्थ श्रेणी के रेगुलर कर्मचारियों को फीस में 50 प्रतिशत छूट दी गई थी

जीजेयू में चपरासी व माली के बच्चे अब फ्री में कर सकेंगे पीएचडी

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के चपरासी, माली व उनके बच्चे अब फ्री में विभिन्न विषयों में पीएचडी कर सकेंगे। जीजेयू ने अपने फोर्थ क्लास कर्मचारियों को पीएचडी की फीस में विशेष राहत दी है। विवि के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी और उनके बच्चे बिना फीस दिए फ्री में पीएचडी कर सकेंगे। विवि में पहले चतुर्थ श्रेणी के रेगुलर कर्मचारियों को फीस में 50 प्रतिशत छूट दी गई थी, जिसे अब विवि प्रशासन ने खत्म कर चतुर्थ श्रेणी के लिए 100 प्रतिशत फीस माफ कर दी है। वहीं तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों को भी पीएचडी पाठ्यक्रम की फीस में विशेष राहत दी है। विवि के रेगुलर कर्मचारी व उनपर आश्रित अब पीएचडी करके विभिन्न शिक्षण संस्थानों में प्रोफेसर सहित अन्य जॉब हासिल कर सकेंगे।

जीजेयू में नॉन टीचिंग में हैं लगभग 600 कर्मचारी

जीजेयू में नॉन टीचिंग स्टाफ में करीब 600 कर्मचारी है। इन कर्मचारियों व उनके बच्चों को इस योजना का लाभ मिल सकेगा। विवि की ओर से अन्य कोर्सेस में कर्मचारियों को पहले ही फीस में छूट दी जा चुकी है। वहीं अब पीएचडी पाठ्यक्रमों में विवि की ओर से पहली बार कर्मचारियों को राहत दी गई है।

ये मिली छूट

1. तृतीय श्रेणी के कर्मचारी व उसके बीवी, बच्चों को फीस में 50 प्रतिशत की बजाय 75 प्रतिशत छूट दी गई है।
2. चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी व उसके आश्रितों को पीएचडी की फीस में 100 प्रतिशत छूट। हालांकि इसमें चतुर्थ श्रेणी के अंतर्गत कोई पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप ना कर रहा हो।

इन कोर्सेस में जीजेयू करा रहा पीएचडी

- एमटेक प्रोग्राम
- कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग
- इंवायरमेंटल साइंस एंड इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग
- फूड टेक्नोलॉजी
- जिओ-इनफोर्मेटिक्स
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- नैनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी
- प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी
- फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री
- फार्मास्यूटिक्स
- फार्माकोग्नोसी
- इंवायरमेंटल साइंसेज
- मोस्कूलोस्केलटेल डिसऑर्डर
- स्पोर्ट्स फिजियोथैरेपी
- न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर
- कार्डियोराइसिस एंड पुलमॉनरी
- एमसीए फर्स्ट ईयर
- एमसीए सेकंड ईयर

• विवि के रेगुलर कर्मचारियों को पीएचडी पाठ्यक्रमों की फीस में विशेष छूट दी गई है। इससे कर्मचारी व उनके बच्चे कम फीस व फ्री में पीएचडी कर सकेंगे। यह कर्मचारियों के प्रोत्साहन के लिए किया गया है। -डॉ. अनिल पुंडीर, रजिस्ट्रार।

दैनिक भास्कर - 12/1/19

जीजेयू में पृथ्वी विज्ञान ओलिंपियाड परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन कल तक

19 जनवरी को आयोजित होगी पृथ्वी विज्ञान ओलिंपियाड परीक्षा

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में पृथ्वी व पर्यावरण विज्ञान के बारे में स्टूडेंट्स को जागरूक करने के लिए पृथ्वी विज्ञान ओलिंपियाड 2019 के रजिस्ट्रेशन 15 जनवरी तक हो सकेंगे। विवि के पब्लिक आउटरीच कार्यालय द्वारा आयोजित ओलिंपियाड में पर्यावरण विज्ञान व अभियांत्रिकी विभाग में 19 जनवरी को प्रवेश परीक्षा का आयोजन होगा।

जियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा संगठित अंतरराष्ट्रीय देश के 80 से अधिक परीक्षा केंद्र बनाए गए। इसमें 9वीं, 10वीं, 11वीं व 12वीं कक्षा में पढ़ रहे विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने विभाग के प्रयासों की सराहना की है। केंद्रीय प्रभारी, समन्वयक व विवि के पब्लिक आऊटरीच निदेशक प्रो. आर बास्कर, समन्वयक व सहायक प्रोफेसर डॉ. मोना शर्मा व देवेंद्र मुदगिल कार्यक्रम का संयोजन कर रहे हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की होगी परीक्षा

अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलिंपियाड को भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा प्रायोजित किया जाता है, जो भारत सरकार के आउटरीच कार्यक्रमों में से एक है। यह प्रवेश परीक्षा अंग्रेजी में होगी। इसमें जियोस्पीयर, एटमोस्फीयर, हाईड्रोस्फीयर व प्लेनेटरी साइंसिज से सम्बंधित वस्तुनिष्ठ प्रश्न परीक्षा में शामिल होंगे। अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलिंपियाड माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के लिए प्रत्येक वर्ष एक अलग देश में आयोजित होती है।

द. कोरिया के ओलिंपियाड में भाग लेंगे चयनित

प्रवेश परीक्षा के आधार पर चुने गए 25 छात्र मई 2019 में होने वाले प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगे। इस प्रशिक्षण शिविर में व्याख्यान, चर्चा, तारामंडल का दौरा व क्षेत्रीय कार्य शामिल होंगे। इनमें से शीर्ष चार विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा जोकि दक्षिण कोरिया में होने वाले 13वें अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलिंपियाड 2019 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रो. बास्कर ने बताया कि हिसार के सभी स्कूल प्रधानाचार्यों को अपने विद्यार्थियों को ओलिंपियाड में भाग लेने व पर्यावरण के जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए उनका प्रोत्साहन करना चाहिए।

भारतीय छात्र अमेरिका समेत सात देशों में बेहतर सुविधाओं के साथ कर सकेंगे रिसर्च

- विदेशी छात्र भारतीय शिक्षण संस्थानों में लगा सकेंगे क्लास

भास्कर न्यूज | हिसार

अमेरिका, जर्मनी व इंग्लैंड जैसे देशों में एजुकेशन का क्या स्तर है और किन तरीकों से वहां स्टडी करवाई जाती है। विदेशों में रिसर्च करने में शिक्षण संस्थान क्या सुविधाएं उपलब्ध करवाते हैं। इसका अनुभव भारतीय छात्र भी कर सकेंगे।

वहीं विदेशी छात्र भी भारतीय संस्कृति के बारे में गहराई से जान सकेंगे। देशी-विदेशी छात्रों को यह सुविधा यूजीसी की ओर से उपलब्ध करवाई जाएगी। यूजीसी ने सात देशों के साथ एमओयू किया है। इसे जॉइंट रिसर्च प्रोग्राम नाम दिया है। एमओयू के जरिये भारतीय छात्रों को चुने गए 7 देशों के शिक्षण संस्थानों में रिसर्च करने का मौका मिलेगा।

खोले जाएंगे एक्सलेंस प्रोग्राम : योजना के जरिये प्रसिद्ध आईआईटी, यूनिवर्सिटी के छात्रों को प्रतिवर्ष इन देशों के शिक्षण संस्थानों में रिसर्च के लिए भेजा जाएगा। इसका सारा खर्च सरकार देगी। छात्रों को उनके प्रदर्शन अनुसार ही चुना जाएगा। वहीं विदेशी छात्रों को भी भारत में रिसर्च करने का मौका मिल सकेगा। इसमें विभिन्न विषयों में शिक्षण संस्थानों द्वारा सीटों की रिपोर्ट यूजीसी को भेजी जाएगी। एमओयू के जरिये बजट प्रस्तावित किया गया है। सबसे अधिक एमओयू में बजट इजरायल के साथ हुआ है।

600 जॉइंट रिसर्च होंगे

एमओयू के तहत भारतीय शिक्षण संस्थानों व इन देशों की टॉप यूनिवर्सिटीज में 2018-19 व 2019-20 में यह रिसर्च कार्यक्रम पूरा किया जाएगा। इन देशों के छात्रों के साथ मिलकर विभिन्न विषयों पर 600 जॉइंट रिसर्च की योजना है। वहीं पीएचडी भी की जा सकेगी। अमेरिका, यूके, इजराइल, नार्वे, न्यूजीलैंड, जर्मनी। देशों के साथ भारत ने एमओयू किया है।

ये होगा फायदा : भारतीय स्टूडेंट्स को रिसर्च के लिए वर्ल्ड क्लास लैब की सुविधा मिलेगी। भारतीय शिक्षण संस्थानों की इंटरनेशनल रैंकिंग में सुधार होगा।

दैनिक भास्कर - 14/1/19

गुजवि में अब पोर्टल पर होगी शिकायत वीसी और रजिस्ट्रार करेंगे मॉनिटरिंग

जिस अधिकारी के पास जाएगी शिकायत, उसे फोलो कर स्टेटस भी जान सकेंगे छात्र

जागरण संवाददाता, हिसार : सीएम विंडो की तर्ज पर अब गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के किसी भी विद्यार्थी, कर्मचारी या अध्यापक को कोई शिकायत करनी है तो वह ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवा सकेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय ने ग्रीवेंस रीडरेसल सेल का ऑनलाइन पोर्टल बनाया है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर विद्यार्थी अपनी शिकायत दर्ज करवा सकेंगे। मोबाइल पर ओटीपी के माध्यम से शिकायत रजिस्टर्ड होगी और जिस-जिस के पास शिकायत जाएगी, विद्यार्थी इस शिकायत को फॉलो करते हुए इसका स्टेटस भी जान सकेगा। खास बात यह होगी कि जब तक विद्यार्थी दी हुई शिकायत के समाधान को लेकर संतुष्ट नहीं हो जाता है, तब तक इस शिकायत को डिस्पॉज ऑफ यानी नहीं किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति और रजिस्ट्रार इन शिकायतों की मॉनिटरिंग करेंगे। यह ग्रीवेंस रीडरेसल सेल विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर के प्रोग्रामर की टीम द्वारा कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कंप्यूटर सेंटर के निदेशक मुकेश कुमार के दिशा-निर्देशन में तैयार किय गया है। बता दें कि इससे पहले विद्यार्थी पेज पर लिखकर या मेल के माध्यम से ही शिकायत करते रहे हैं, जिसके कारण उनका समाधान किस स्टेज तक हो गया है या नहीं हुआ आदि का पता नहीं चल पाता था।

डीन को डिस्पॉज ऑफ करनी होगी शिकायत : पोर्टल पर विभागों के डीन के अलावा एग्जामिनेशन, हॉस्टल, वुमन सेल, आइसीसी कमेटी, सेफ्टी सेल, प्रोक्टर सहित विभिन्न ऑप्शन दिए हुए होंगे। विद्यार्थी को जिस विभाग से शिकायत होगी, वह उस विभाग के सर्वाच्च अधिकारी को शिकायत भेज देगा। अधिकारी उसे संबंधित चेयरमैन या टीचर को फारवर्ड कर उसका निपटारा करवाएगा। उदाहरण के तौर पर विद्यार्थी किसी विभाग के टीचर की शिकायत करता है तो उसे अपने डीन को शिकायत भेजनी होगी। डीन इसे चेयरमैन और इसके बाद चेयरमैन अपने कमेंट के साथ संबंधित अधिकारी के पास इसे फारवर्ड कर शिकायत को निपटवाएगा। जिस-जिस के पास से ये शिकायत गुजरेगी, वे सभी इस शिकायत का स्टेटस देख सकेंगे।

यह अच्छा कदम है। कई बार विद्यार्थी या कोई भी शिकायतकर्ता समाधान से संतुष्ट नहीं होता है और वह एक से दूसरे अधिकारी के पास जाता रहता है। इससे जिम्मेदारी तय हो जाएगी और मुझे भी इसकी डायरेक्ट रिपोर्ट मिलेगी।

प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय हिसार।

दोबारा कर सकेंगे शिकायत

अगर कोई शिकायत विभाग के अधिकारी अपने आप डिस्पॉज कर देते हैं तो शिकायतकर्ता दोबारा इसकी शिकायत कुलपति को कर सकेंगे। कुलपति संबंधित अधिकारी से इसका जवाब लेंगे और शिकायतकर्ता की समस्या का निपटारा होगा। यही नहीं विश्वविद्यालय को हर महीने इसके पूरे डेटा के साथ मानव संसाधन विकास मंत्रालय को रिपोर्टिंग भी करनी होगी।

दैनिक जागरण - 18-1-19

जीजेयू में जिला स्तरीय युवा संसद 25 को, जिले से चुने जाएंगे 3 युवा सांसद

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। जीजेयू के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की समन्वयक प्रो. सुजाता सांघी ने बताया कि 'राष्ट्रीय युवा संसद उत्सव 2019' के तहत जिला स्तरीय युवा संसद उत्सव का आयोजन विश्वविद्यालय में 25 जनवरी को किया जाएगा।

इसके लिए भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा प्रायोजित 'राष्ट्रीय युवा संसद उत्सव 2019' के तहत जीजेयू में आयोजित वॉक-इन स्क्रीनिंग में जिले भर से 94 युवाओं ने भाग लिया था। इसमें से 50 युवाओं को चुना गया तथा 10 युवाओं को प्रतीक्षा सूची में रखा गया। इसके अलावा जीजेयू द्वारा 11 जिलों की डिजिटल स्क्रीनिंग भी की गई। डिजिटल स्क्रीनिंग व वॉक-इन स्क्रीनिंग के तहत चुने गए 50-50 युवाओं को कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा।

डॉ. सांघी ने बताया कि यह उत्सव तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। पहला चरण जिला स्तरीय, दूसरा चरण राज्य स्तरीय व तीसरा चरण राष्ट्रीय स्तर का होगा। 25 जनवरी को होने वाली जिला युवा संसद से तीन युवा सांसद चुने जाएंगे जो पंचकूला में होने वाली राज्य स्तरीय युवा संसद में भाग लेंगे।

अमर उजाला - 22-1-19

जीजेयू के तीन विद्यार्थियों का निजी कंपनी में प्लेसमेंट, 22 ने दिए थे साक्षात्कार

बीटेक प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की हुई थी परीक्षा

जीजेयू में कंपनी के अधिकारियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित करते ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के अधिकारी।

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के तीन विद्यार्थियों का चयन मार्कस ग्रुप चंडीगढ़ कम्पनी में हुआ है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल की तरफ से कैम्पस में साक्षात्कार के दौरान मोहित, चिराग और प्रद्युमन का चयन हुआ। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह ने बताया कि नवीन लेबलिंग सॉल्यूशन्स के क्षेत्र में कार्यरत मार्कस ग्रुप कम्पनी का मेन्युफैक्चरिंग प्लांट बद्दी, हिमाचल प्रदेश और कॉरपोरेट ऑफिस चंडीगढ़ स्थित है। चयन टीम में एचआर मैनेजर मोना शर्मा सहित खुशवीन, एसएस रावत ने प्लेसमेंट प्रक्रिया का संचालन किया। कम्पनी की एचआर मैनेजर मोना शर्मा ने प्रि-प्लेसमेंट टॉक में कंपनी व जॉब प्रोफाइल के बारे में प्रस्तुति दी। बीटेक प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी अंतिम वर्ष के 22 विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा और इसके बाद साक्षात्कार लिया गया। इसके आधार पर कम्पनी ने बद्दी प्लांट के लिए विश्वविद्यालय के तीन विद्यार्थियों का चयन ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के पद पर किया है। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. अंबरीश पांडे व शिक्षक विजेंद्र कौशिक और मोहित आनंद, प्लेसमेंट अधिकारी संजय सिंह ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलने वाली सुविधाओं का लाभ उठाएं : प्रो. टंकेश्वर

विश्वविद्यालय के ऑउटरीच कार्यालय की ओर से फुलब्राइट फेलोशिप विषय पर व्याख्यान

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि यह वैश्वीकरण का युग है। शिक्षण संस्थानों को आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवानी जरूरी है। वक्त की मांग है कि समूह बनाकर काम किया जाए। एक दूसरे के सहयोग से काम किए जाए। अमेरिका दुनिया भर से वैज्ञानिकों को आमंत्रित करता है। विश्व के प्रत्येक देश को ऐसा करना चाहिए और भारतीय वैज्ञानिकों को इसका लाभ उठाना चाहिए।

प्रो. टंकेश्वर कुमार विश्वविद्यालय के ऑउटरीच कार्यालय द्वारा फुलब्राइट फेलोशिप विषय पर आयोजित व्याख्यान में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। संयुक्त राज्य अमेरिका-भारत एजुकेशनल फाउंडेशन की भारतीय कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. गायत्री सिंघल ने बतौर मुख्य वक्ता भाग लिया जबकि अध्यक्षता ऑउटरीच निदेशक प्रो. आर बास्कर ने की। मंच संचालन डॉ. मोना शर्मा ने किया।

जीजेयू में आयोजित विशेष व्याख्यान में उपस्थित प्रतिभागी। - अमर उजाला

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि जानकारी के अभाव में कार्य नहीं हो पाते। शिक्षक, वैज्ञानिक व शोधार्थियों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलने वाली शोध सुविधाओं का फायदा उठाना चाहिए। ऑउटरीच निदेशक प्रो. आर बास्कर ने कहा कि यह व्याख्यान शिक्षकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा। ऐसे व्याख्यानों का सभी को फायदा उठाना चाहिए। आगे भी इस दिशा में इससे बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

संयुक्त राज्य अमेरिका-भारत एजुकेशनल फाउंडेशन की भारतीय कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. गायत्री सिंघल ने फुलब्राइट-नेहरू और फाउंडेशन द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में दी जाने वाली फुलब्राइट नेहरू मास्टर फेलोशिप, नेहरू डॉक्टरल रिसर्च फेलोशिप, नेहरू पोस्टडॉक्टोरल रिसर्च फेलोशिप, नेहरू शैक्षणिक और व्यावसायिक उत्कृष्टता फेलोशिप, नेहरू अंतरराष्ट्रीय शिक्षा प्रशासक संगोष्ठी, कलाम जलवायु फेलोशिप, विदेशी भाषा शिक्षण सहायक कार्यक्रम, शिक्षण में फुलब्राइट प्रतिष्ठित पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय शिक्षकों के लिए कार्यक्रम व टीचिंग एक्सीलेंस एंड अचीवमेंट कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। विशेष व्याख्यान में यूएसए एजुकेशन सेंटर की सलाहकार रूपाली वर्मा ने संयुक्त राज्य अमेरिका में उच्च अध्ययन करने के इच्छुक भावी छात्रों का मार्गदर्शन किया।

अमर उजाला - 24-1-2019

शिक्षण संस्थानों को अंतर्राष्ट्रीय दर्ज करवानी होगी अपनी उपस्थिति : प्रो. टंकेश्वर

एक-दूसरे के सहयोग से किया जाए काम

हिसार, 23 जनवरी (ब्यूरो): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह वैश्वीकरण का युग है और शिक्षण संस्थानों को आज अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना आवश्यक है। वक्त की मांग है कि समूह बनाकर काम किया जाए। एक दूसरे के सहयोग से काम किए जाए। विश्वविद्यालय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग व भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। यह शब्द उन्होंने विश्वविद्यालय के ऑऊटरीच कार्यालय द्वारा 'फुलब्राइट फैलोशिप' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित करते हुए कहे। ऑऊटरीच निदेशक प्रो. आर. बास्कर ने कहा कि यह व्याख्यान शिक्षकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे व्याख्यानों का सभी को फायदा उठाना चाहिए। आगे भी इस दिशा में इससे बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की डा. अनु गुप्ता, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित थे।

गुजविप्रौवि, हिसार में आयोजित विशेष व्याख्यान में सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

पंजाब केसरी - 24-1-2019

सेमिनार संयुक्त राज्य अमेरिका-भारत एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा फुलब्राइट फैलोशिप विषय पर आयोजित किया गया व्याख्यान

शोध सुविधाओं का उठाना चाहिए लाभ : प्रो. टंकेश्वर

जागरण संवाददाता हिसार : गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह वैश्वीकरण का युग है। शिक्षण संस्थानों को आज अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना आवश्यक है। शिक्षक, वैज्ञानिक व शोधार्थियों को राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलने वाली सुविधाओं का फायदा उठाना चाहिए। विश्वविद्यालय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग और भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। प्रो. टंकेश्वर कुमार विश्वविद्यालय के आऊटरीच कार्यालय द्वारा 'फुलब्राइट फैलोशिप' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि बड़े उद्देश्य को टीम के रूप में कार्य करके ही पाया जा सकता है। अमेरिका दुनियाभर से वैज्ञानिकों को आमंत्रित करता है। विश्व के प्रत्येक देश को ऐसा करना चाहिए व भारतीय वैज्ञानिकों को इसका फायदा उठाना चाहिए। संयुक्त राज्य अमेरिका-भारत एजुकेशनल फाउंडेशन की भारतीय कार्यक्रम प्रबंधक डा. गायत्री सिंघल बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित रही।

गुजविवि में आयोजित विशेष व्याख्यान में उपस्थित प्रतिभागी। • जागरण

2020-2021 में दी जाने वाली स्कॉलरशिप की दी जानकारी

आउटरीच निदेशक प्रो. आर बास्कर ने कहा कि यह व्याख्यान शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा। संयुक्त राज्य अमेरिका-भारत एजुकेशनल फाउंडेशन की भारतीय कार्यक्रम प्रबंधक डा. गायत्री सिंघल ने फुलब्राइट-नेहरू और फाउंडेशन द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में दी जाने वाली फुलब्राइट नेहरू मास्टर फैलोशिप, नेहरू डॉक्टरल रिसर्च फैलोशिप, नेहरू पोस्टडॉक्टोरल रिसर्च फैलोशिप, नेहरू शैक्षणिक और व्यावसायिक उत्कृष्टता फैलोशिप, नेहरू अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा प्रशासक संगोष्ठी, कलाम जलवायु फैलोशिप, विदेशी भाषा शिक्षण सहायक कार्यक्रम, शिक्षण में फुलब्राइट प्रतिष्ठित पुरस्कार अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षकों के लिए कार्यक्रम व टीचिंग एक्सीलेंस एंड अचीवमेंट कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी।

डा. विनोद कुमार बने गुजवि के लाइब्रेरियन

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में डिप्टी लाइब्रेरियन डा. विनोद कुमार को विश्वविद्यालय में लाइब्रेरियन के पद पर नियुक्त किया गया है। 21 जनवरी को हुई कार्यकारी परिषद की बैठक में उनके नाम पर मुहर लगी। लाइब्रेरियन पद के लिए साक्षात्कार 19 नवंबर 2018 में हुए थे। जिसमें डा. विनोद कुमार सहित 9 लोगों ने इस पद के लिए अप्लाई किया था, जिनमें से योग्य 3 उम्मीदवारों ने अपना साक्षात्कार दिया था। जिनमें से डा. विनोद कुमार को लाइब्रेरियन नियुक्त किया गया है। इससे पहले डा. विनोद ने विश्वविद्यालय में नवंबर 1996 में बतौर असिस्टेंट लाइब्रेरियन ज्वाइन किया था। मार्च 2013 में वे पदोन्नत होकर डिप्टी लाइब्रेरियन बने।

दैनिक जागरण - 24-1-2019

शिक्षण संस्थानों के विजन व मिशन को पूरा करने के लिए आउटकम बेस्ड एजुकेशन से जोड़ना जरूरी : प्रो. टंकेश्वर

चौधरी रणबीर सिंह सभागार के सेमिनार हॉल-2 में कार्यशाला का आयोजन

भास्कर न्यूज | हिसार

एजुकेशन सिस्टम की वर्कशॉप के दौरान संबोधित करते वीसी टंकेश्वर कुमार।

जीजेयू के डीन फेकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग विभाग ने चौधरी रणबीर सिंह सभागार के सेमिनार हॉल-2 में कार्यशाला का आयोजन किया। इसका उद्देश्य आउटकम बेस्ड एजुकेशन सिस्टम की तरफ अग्रसर होने के लिए नए सिलेबस व स्कीम बनाने की विधि पर चर्चा हुई।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि किसी भी संस्थान के विजन व मिशन को पूरा करने के लिए आउटकम बेस्ड एजुकेशन से जोड़ा जाना जरूरी है, तभी कोई शिक्षण संस्थान अपने उद्देश्यों को पूरा कर सकता है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् ने हाल ही में जारी किए शैक्षणिक मापदंड सभी विश्वविद्यालयों को स्कीम व सिलेबस को दोबारा रिवाइज करने के आदेश दिए हैं। कार्यशाला में प्रो. योगेश छाबा मुख्य वक्ता के रूप मौजूद रहे। प्रो. योगेश छाबा ने कहा कि किसी भी उच्चतर शिक्षण संस्थान के आउटकम बेस्ड एजुकेशन व्यवस्था को पुनः निर्धारण करने के लिए हर स्तर पर शिक्षकों की गहन रुचि, ज्ञान व तजुर्बे को सदुपयोग किया जाना आवश्यक है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने बताया कि हर शैक्षणिक कार्यक्रम में शामिल विभिन्न विषयों के प्रति विषय चार से छह कोर्स आउटकम निर्धारित किए जाने चाहिए। प्रो. दीपक केडिया ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन विश्वविद्यालय में नियमित रूप से किया जाएगा।

दैनिक भास्कर- 25/1/19

गुजवि के फार्मेसी के 5 विद्यार्थियों का चयन

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से हुए कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के फार्मास्यूटिकल विज्ञान विभाग के पांच विद्यार्थियों को गुड़गांव स्थित एक निजी कंपनी में चयनित किया गया है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी संजय सिंह ने बताया कि एमफार्मा के विजय कुमार को एक्जिक्यूटिव क्वालिटी एश्योरेंस के पद पर और एमफार्मा रश्मी, बीफार्मा के विनय महाना, तुषार कुमार व प्रीति चौहान को एक्जिक्यूटिव क्वालिटी कंट्रोल के पद पर चयनित किया गया है। चयनित छात्र अपने कोर्स पूरा होने के बाद जून 2019 से 2.50 लाख रूपये के प्रारंभिक वार्षिक पैकेज के साथ कंपनी में शामिल होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी। विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट निदेशक प्रताप सिंह ने बताया कि किमिया बायोसाइंसिज लिमिटेड विभिन्न उच्च संभावित चिकित्सीय क्षेत्र की थोक औषध निर्माण कंपनी है।

GJU (INTERNATIONAL COLLABORATIONS)

International collaborations is the need of the hour to raise the ranking of the University as mentioned by Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, Guru Jambhashwar University of Science and Technology, Hisar. He added that presentation by USIEF staff would deliver the necessary information on the Fulbright Fellowships which will benefit faculty members and research scholars and strengthen the research collaboration.

राष्ट्रीय युवा संसद उत्सव 2019 • जिलास्तरीय प्रतियोगिता में पायल, रूपित व श्वेता चयनित, जो स्टेट लेवल कंपीटिशन में लेंगी हिस्सा

माल्या व नीरव को करोड़ों रुपए लोन देने का मुद्दा युवा संसद में उठा

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में विधायक डॉ. कमल गुप्ता युवा संसद प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए, वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार, युद्धवीर ख्यालिया, रजिस्ट्रार अनिल कुमार पुंडीर।

जीजेयू की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की तरफ से 'राष्ट्रीय युवा संसद उत्सव 2019' के तहत जिलास्तरीय युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन चौधरी रणबीर सिंह सभागार में किया गया। जिलास्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता से पायल, रूपित गोयल व श्वेता को चुना गया है। इसके अतिरिक्त विशाल दलाल व भानुप्रिया को प्रतीक्षा सूची में रखा गया। जिलास्तरीय युवा संसद में चुने गए तीन युवा विद्यार्थी छह फरवरी को पंचकूला में होने वाली राज्यस्तरीय युवा संसद में हिस्सा लेंगे। विधायक डॉ. कमल गुप्ता ने जिलास्तरीय युवा संसद का शुभारंभ किया। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विधायक डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि भारत सरकार द्वारा चलाया गया 'राष्ट्रीय युवा संसद उत्सव 2019' बहुत ही अच्छा कदम है। इससे युवा देश के निर्माण में भागीदारी दर्ज करवाएगा। युवाओं के नए-नए आईडियाज देश के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे।

इन मुद्दे पर हुई बात

- छात्रों ने विजय माल्या व नीरव मोदी को बैंकों द्वारा करोड़ों रुपया का लोन देने के मुद्दे को उठाया।
- आतंकवाद की समस्या।
- मुंबई हमले का भी मुद्दा उठाया।
- युवा संसद में भागीदारी करने वाले प्रत्येक स्टूडेंट्स को तीन मिनट के लिए विभिन्न विषयों पर बोलने का समय दिया गया।

60 स्टूडेंट्स हुए उपस्थित

'राष्ट्रीय युवा संसद उत्सव 2019' के नोडल ऑफिसर डॉ. कश्मीरी लाल ने बताया कि संसद के लिए डिजिटल स्क्रीनिंग व वाक-इन स्क्रीनिंग के तहत चुने गए 74 युवाओं में से 60 युवा कार्यक्रम में उपस्थित हुए। उन्होंने बताया कि तीनों युवा सांसदों को 26 जनवरी को विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार सम्मानित भी करेंगे। डॉ. विजय पाल 'राष्ट्रीय युवा संसद उत्सव 2019' के सचिव हैं।

निर्णायक मण्डल में ये लोग रहे शामिल

जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, सेवानिवृत आयुक्त डॉ. युद्धवीर सिंह ख्यालिया, प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई, प्रो. विक्रम कौशिक और प्रो. सुजाता सांघी ने इस दौरान निर्णायक मण्डल की भूमिका निभाई।

दैनिक भास्कर - 26-1-19

प्रक्रिया • जिन कॉलेजों का नैक स्कोर 3.51 से ज्यादा, उन्हें सिर्फ आवेदन करने की देर

कॉलेज बनेंगे ऑटोनॉमस बॉडी, कोर्स शुरू कर सकेंगे और सिलेबस बदलने को बनेंगे आत्मनिर्भर

सुभाष चंद्र | हिसार

यूनिवर्सिटीज की तर्ज पर अब कॉलेज भी ऑटोनॉमस बॉडी की तरह काम कर सकेंगे। यूजीसी ने कॉलेजों में एजुकेशन क्वालिटी बढ़ाने और स्टडी को जॉब ओरिएंटेड बनाने के लिए यूनिवर्सिटीज के बाद पहली बार कॉलेजों को भी स्वायत्तता प्रदान करने का फैसला लिया है। इसके लिए यूजीसी ने कॉलेजों से स्वायत्तता के लिए आवेदन मांगे हैं। यूजीसी ने इसके लिए कुछ मापदंड निर्धारित किए हैं।

इन मापदंडों को पूरा करने पर ही कॉलेज स्वायत्तता हासिल कर सकेंगे। स्वायत्तता मिलने पर कॉलेज भी यूनिवर्सिटी की तरह आत्मनिर्भर बनकर फैसले स्वयं ले सकेंगे, जिससे कॉलेज अपना और स्टूडेंट्स का विकास कर सकेंगे।

यह होती है ऑटोनॉमस बॉडी

ऑटोनॉमस बॉडी एक स्वायत संस्थान के रूप में काम कर सकती है। देश में यूजीसी की तरफ से अब तक विश्वविद्यालयों को ऑटोनॉमस बॉडी का दर्जा दिया जाता था। हाल ही प्रदेश में कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी व गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी को ऑटोनॉमस बॉडी का दर्जा दिया था। ऑटोनॉमस अथवा स्वायत्तता मिलने पर कोई शिक्षण संस्थान अपने शैक्षणिक मामलों के फैसले लेने के लिए स्वतंत्र हो जाता है।

इन शर्तों पर मिलेगी स्वायत्तता

- कॉलेज कम से कम दस साल से सफल संचालन कर रहे हो।
- कॉलेजों को नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रीडिएशन काउंसिल (नैक) से 3.26 से लेकर 3.5 पॉइंट स्कोर मिला हों, ऐसे कॉलेजों के आवेदन करने पर यूजीसी के इंस्पेक्शन के बाद इन्हें स्वायत्तता दी जाएगी।
- जिन कॉलेजों का नैक स्कोर 3.51 से ज्यादा होगा, उन्हें सिर्फ आवेदन करने से स्वायत्तता मिल जाएगी।
- कॉलेजों में कम से कम तीन स्ट्रीम की स्टडी होनी जरूरी है, जिसमें स्कोर कम से कम 750 रहा हो।

स्वायत्तता से ये होगा फायदा

- कॉलेज स्वयं सिलेब्रस तैयार कर सकेंगे।
- शहर व गांव के माहौल के अनुसार स्किल से जुड़े कोर्स शुरू कर सकेंगे।
- एडमिशन से लेकर परीक्षा परिणाम घोषित करने की जिम्मेवारी कॉलेज स्वयं निभा सकेंगे।
- आत्मनिर्भर बनकर टीचर्स की कमी को पूरा कर सकेंगे।
- कॉलेज इमारत, हॉस्टल, लाइब्रेरी आदि का निर्माण स्वयं कर सकेंगे।
- सिलेबस रिवाइज व रिक्वायरमेंट के अनुसार नया सिलेबस बना सकेंगे।

"कॉलेजों को स्वायत्तता देना एजुकेशन क्वालिटी बढ़ाने के लिए अच्छा कदम है। इससे कॉलेज स्थिति के अनुसार जॉब ओरिएंटेड व स्किल्ड बेस कोर्स शुरू कर सकेंगे। इससे ग्रेजुएशन करते ही स्टूडेंट्स जॉब हासिल कर सकेंगे। जिससे बेरोजगारी भी कम होगी।" - सत्य सुरेंद्र सिंगला, प्रिंसिपल, इम्पीरियल कॉलेज, हिसार।

दैनिक भास्कर - 28-1-19

अब जीजेयू में विद्यार्थियों, कर्मचारियों और शिक्षकों की समस्याओं का ऑनलाइन होगा समाधान

जीजेयू में कुलपति ने किया ऑनलाइन ग्रीवेंस रिड्रेसल सेल का उद्घाटन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, कर्मचारियों व शिक्षकों की समस्याओं का समाधान ऑनलाइन किया जाएगा। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को ऑनलाइन ग्रीवेंस रिड्रेसल सेल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर भी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध ऑनलाईन ग्रीवेंस रीडरेसल सेल पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थी, कर्मचारी या शिक्षक को कोई शिकायत करनी है तो वह ऑनलाइन दर्ज करवा सकेगा। जब तक शिकायत का समाधान नहीं होगा तब तक पूर्ण जानकारी शिकायतकर्ता को मिलती रहेगी। उन्होंने बताया कि इस पोर्टल के लिए यूजीसी व एआईसीटीई द्वारा भी नोटिफिकेशन प्राप्त हुआ है। एआईसीटीई के निर्देशानुसार पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों की मासिक रिपोर्ट भी एआईसीटीई को भेजनी होगी। विश्वविद्यालय कंप्यूटर एंड इंफॉर्मेटिक्स सेंटर के निदेशक मुकेश कुमार ने बताया पोर्टल की मॉनिटरिंग विश्वविद्यालय के कुलपति व कुलसचिव द्वारा की जाएगी। ग्रीवेंस रिड्रेसल सेल में विश्वविद्यालय के सभी विभागों, हॉस्टल व शाखाओं को शामिल किया गया है। इसके लिए संबंधित विभागों को आईडी व पासवर्ड उपलब्ध करवाए गए है, जिसके माध्यम से विभाग विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी को जिस विभाग से शिकायत होगी विद्यार्थी उसी विभाग को शिकायत दर्ज करवाएगा और विभाग द्वारा उसकी समस्या का समाधान ऑनलाइन किया जाएगा। यदि वह शिकायत किसी अन्य विभाग की होगी तो विभाग दूसरे विभाग को स्थानांतरित भी कर सकेगा। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता को शिकायत की पूर्ण जानकारी भी पोर्टल से उपलब्ध होगी। शिकायतकर्ता को शिकायत दर्ज करते समय मोबाइल नंबर का प्रयोग करना होगा और उसका पासवर्ड भी मोबाइल पर ओटीपी के माध्यम से आएगा। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला, शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता प्रो. राजेश मल्होत्रा, प्रो. योगेश चाबा, प्रो. शबनम सक्सेना, प्रो. कर्मपाल नरवाल, प्रो. आशीष अग्रवाल, मुकेश ध्याणा, प्रो. टीकाराम, सुरेंद्र सहगल व राकेश भुक्कल उपस्थित रहे।

जीजेयू में ऑनलाइन ग्रीवेंसिज रीडर सैल का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर। - अमर उजाला

रक्तदान की एक ही जाति होती है मानवता : डॉ. अनिल कुमार

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गांव शाहपुर में चलाए जा रहे सात दिवसीय शिविर के दौरान रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने स्वयं रक्तदान कर रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। शिविर में भाग ले रहे स्वयंसेवकों व ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि इस तरह के रक्तदान शिविर का आयोजन करना एक सुखद संदेश है। रक्तदान करने वाला कभी नहीं जानता कि वह किस जाति का है और उसका दिया हुआ रक्त किस जाति धर्म के काम आएगा। रक्तदान की एक ही जाति होती है मानवता, जो किसी को नई जिंदगी देती है। उन्होंने कहा कि एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर से ग्रामीणों में रक्तदान करने का रुझान बढ़ेगा। एनएसएस देश के आम नागरिक के दिलों में समाजसेवा की भावनाओं को जगाता है।

शिविर में जो सीखा, वह जीवनभर काम आएगा : अनिल पुंडीर

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि एनएसएस शिविर में जो कुछ सीखा है, वह विद्यार्थियों के जीवनभर काम आएगा। ऐसे शिविर में टीम भावना से काम करने की प्रेरणा मिलती है, जो जिंदगी में स्वयं को आगे बढ़ाने में सहायक होती है। वे जाट कॉलेज में चल रहे एनएसएस शिविर के समापन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। समापन कार्यक्रम में बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित समापन कार्यक्रम की प्रस्तुतियां देशभक्ति से ओतप्रोत रहीं। इस दौरान मुख्य अतिथि ने बेस्ट कैंपर स्वयंसेवक का पुरस्कार विक्रम को प्रदान किया। इसके अलावा अन्य स्वयंसेवक-स्वयंसेविकाओं को भी अलग-अलग गतिविधियों के लिए सम्मानित किया गया। एनएसएस प्रभारी डॉ. राजपाल सिंह, डॉ. संदीप सिंह व मीना कुमारी ने सात दिवसीय शिविर की गतिविधियों का उल्लेख किया। डॉ. राजपाल सिंह ने बताया कि शिविर में फर्स्ट एड की ट्रेनिंग भी बच्चों को दी गई। इसके चलते 30 स्वयंसेवक जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में रेडक्रॉस की झांकी में भी शामिल हुए। अंत में एनएसएस प्रभारियों द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

अमर उजाला - 29/1/19

पीएम मोदी 3 फरवरी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जीजेयू के इनोवेशन सेंटर की आधारशिला रखेंगे

सीएम मनोहर लाल व शिक्षा मंत्री भी चौधरी रणबीर सिंह जीजेयू सभागार में उपस्थित रहेंगे

सुभाष चंद्र | हिसार

जीजेयू में पंडित दीन दयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इन्कयूबेशन सेंटर स्थापित किया जाएगा। खास बात यह है कि देश के प्रधानमंत्री पीएम मोदी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से 3 फरवरी को इस सेंटर की आधारशिला रखेंगे।

इस मौके पर जीजेयू में सीएम मनोहर लाल व एजुकेशन मिनिस्टर भी चौधरी रणबीर सिंह सभागार में उपस्थित रहेंगे। यह कार्यक्रम दोपहर 3.30 बजे शुरू होगा।

इस इनोवेशन सेंटर के जरिये विदेशी यूनिवर्सिटी व इंडस्ट्रीज के साथ मिलकर स्टूडेंट्स को एंटरप्रन्योर बनाया जाएगा। इसमें विदेशी यूनिवर्सिटीज के मेंटर स्टूडेंट्स को गाइड करेंगे।

स्टूडेंट्स अपने आइडियाज पर बना सकेंगे कम्पनी

स्टूडेंट्स अपने इनोवेशन आइडियाज से स्टार्टअप कम्पनी खोल सकेंगे। इसके लिए बजट के साथ हर प्रकार की सुविधाएं मुहैया करवाई जाएंगी। इससे स्टूडेंट्स एंटरप्रन्योर बन सकेंगे ओर जॉब हासिल करने की बजाय जॉब देने की काबिलियत हासिल करेंगे। प्रो. दीपक केडिया व प्रो. नीरज दिलबागी ने बताया की स्टूडेंट्स को उनके नए आइडियाज को प्रैक्टिकल रूप देने के लिए मशीनरी, प्रॉडक्ट, बजट, कंपनी रजिस्टर करने की जानकारी, लैब सहित तमाम सुविधाएं इनोवेशन सेंटर के जरिये उपलब्ध करवाई जाएगी।

15 करोड़ की लागत से तैयार होगा इनोवेशन सेंटर

जीजेयू में पंडित दीन दयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इन्कयूबेशन सेंटर बनाया जाएगा। इसका निर्माण रूसा राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत किया जाएगा। इस सेंटर पर करीब 15 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। इनोवेशन सेंटर के लिए जीजेयू में सेपरेट बिल्डिंग बनाई जाएगी, जिसमें वर्कशॉप, लैब भी बनाई जाएगी।

एक ही प्रोजेक्ट पर रिसर्च कर सकेंगे

विश्वविद्यालय में इस कार्य के तहत नई कंप्यूटर सिमुलेशन लैब बनाई जाएगी। इसमें साइंस व इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के बायोटेक्नोलॉजी, फिजिक्स, केमिस्ट्री, फार्मास्युटिकल, इनवायरमेंट साइंस, फूड टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स कम्यूनिकेशन आदि डिपार्टमेंट के स्टूडेंट्स एक साथ एक ही प्रोजेक्ट पर रिसर्च कर सकेंगे।

रूसा के तहत मिली थी 50 करोड़ की ग्रांट की मंजूरी

हरियाणा में नैक से 'ए' ग्रेड मान्यता प्राप्त और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्वायत्तता प्राप्त जीजेयू ने रूसा के तहत पचास करोड़ रुपए का प्रस्ताव भेजा था। जिसे मंजूरी मिली है। ग्रेड वन व ग्रेड टू ऑटोनामी के तहत यह ग्रांट जारी की जाती है। जीजेयू रिसर्च एंड इनोवेशन के लिए 50 करोड़ की ग्रांट पाने वाला एकमात्र विश्वविद्यालय रहा।

"स्टूडेंट्स को एंटरप्रन्योर बनाने की दिशा में विवि की ओर से प्रयास किये जा रहे है, इसी कड़ी में दीन दयाल उपाध्याय इनोवेशन सेंटर शुरू किया जाएगा, जिसका उद्घाटन पीएम मोदी करेंगे।" -प्रो. टंकेश्वर कुमार, वीसी, जीजेयू, हिसार।

दैनिक भास्कर- 30/1/19